हाट लागी रे हरी रे नाम री हाटों हालो मेरा भाई लिरिक्स

हाट लागी रे हरी रे नाम री,
हाटों हालो मेरा भाई,
आया व्योपारी हरी रे नाम रा,
हाटों हाल मेरा भाई,
हाट लागी रे हरि रे नाम री।bd।

ॐ शब्द निज मूल हैं,
सतगुरु हाट मंडाई,
चतुर नर सौदा करे,
मूर्ख मूल गमाई,
हाट लागी रे हरि रे नाम री।bd।

तन डांडी रे मन पालणा,
सुरता तोलण आई,
ज्ञान पंचेरा लारे राळ दो,
पूरा तोलो मेरा भाई,
हाट लागी रे हरि रे नाम री।bd।

जीव ब्रह्म सन्तो एक हैं,
दुतिया भ्रम हैं दोई,
भरम अंधेरा सन्तों मेट दो,
निज नेडा राखो सांई,
हाट लागी रे हरि रे नाम री।bd।

अमर लोक रो हंसलो,
मृत्यु लोक में आई,
कहे कबीर सा धर्मीदास ने,
ऐसो बिणज ही लाई,
हाट लागी रे हरि रे नाम री।bd।

हाट लागी रे हरी रे नाम री,
हाटों हालो मेरा भाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आया व्योपारी हरी रे नाम रा,
हाटों हाल मेरा भाई,
हाट लागी रे हरि रे नाम री।bd।

गायक – नरपत नागौरी।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com